हिमाचल अभी अभी

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 09 कांगड़ा। शनिवार, 29 जून-05 जुलाई, 2024 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 16 आषाढ़, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 12 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

राज्यपाल ने जताई नराजगी

-पढ़ें पेज 2

गुप्त नवरात्र

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह माना जाता है कि गुप्त नवरात्र की पूजा प्रत्यक्ष नवरात्र से अलग होती है। गुप्त नवरात्र के नाम में ही इसका अर्थ छुपा है। माना जाता है गुप्त नवरात्र में गुप्त विद्याओं की सिद्धि के लिए साधना की जाती है। तंत्र साधनाओं का महत्व होता है, जिन्हें गुप्त रूप से किया जाता है, इसलिए यह गुप्त नवरात्र कहलाती है। इस दौरान दस देवियों का पूजा की जाती है। इन दस देवियों के नाम इस प्रकार है माता कालिके, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, माता भुवनेश्वरी, माता छिन्नमस्ता, माता त्रिपुर भैरवी, मां धूमावती, माता बगलामुखी, माता मातंगी, माता कमला देवी हैं। ज्योतिष शास्त्र में गुप्त नवरात्र का महत्व बताते हुए कुछ गुप्त उपाय भी बताए गए हैं, इन उपायों के करने से सभी मनोकामना पूरी होती हैं और जीवन के सभी कष्ट मां आदिशक्ति की कृपा से दूर हो जाते हैं। गुप्त नवरात्र में हर रोज रात में मां आदिशक्ति की पूजा अर्चना करें और नवरात्रि के पहले दिन 9 गोमती चक्र लेकर मां के पास रख दें। इसके बाद अंतिम दिन की पूजा करने के बाद गोमती चक्र को लाल कपड़े में बांधकर धन के स्थान जैसे अलमारी या तिजोरी में रख दें। ऐसा करने से धन-धान्य में वृद्धि होती है और मां दुर्गा की कृपा बनी रहती है। दुर्गा सप्तशती के 12वें अध्याय के 21 बार पाठ करें और लौंग कपूर के साथ आरती करें। नवरात्रि के अंतिम दिन देवी दुर्गा के मंदिर में लाल रंग का झंडा चढ़ाएं। ऐसा करने से घर में खुशियों का आगमन होता है। साथ ही नौकरी व व्यापार में उन्नति होती है और धन प्राप्ति के मार्ग बनते हैं। माता की कृपा से जीवन में कभी किसी चीज की कमी नहीं होती है।

■ **पं. कुलदीप शास्त्री**